



NAAC ACCREDITED GRADE "A"

Bhagwan Aadinath College of Education

Recognized by NCTE and Affiliated to Bundelkhand University Jhansi, Est. 2015
(A unit of Digamber Jain Education Welfare Society, Talabpura Lalitpur-U.P. 284403)
(2F&12B by UGC)

2.2 Number of seats earmarked for reserved category as per GOI/ State Govt. rule during the year

Upload supporting document**

Year	Number of seats earmarked for reserved category as per GOI/ State Govt. rule
2022-23	540


Principal

प्रधानाचार्य
भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
बहरा-ललितपुर

प्रेषक,

आर० बी० भास्कर,
सचिव,
उत्तर प्रदेश ज्ञानन।

सेवा में,

- (1) सभस्त प्रमुख सचिव/सचिव/विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश ज्ञानन।
- (2) सभस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।
- (3) सभस्त मण्डलमन्त्र/जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।

संलग्नक: दिनांक 25 मार्च, 1994।

विषय: उत्तर प्रदेश लोक सेवाओं में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण।

महोदय,

कार्मिक
अनुभाग-1

उपरोक्त विषय पर दिनांक 23 मार्च, 1994 को प्रख्यापित "उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण), अधिनियम, 1994" की प्रति संलग्न करते हुए मुझे उक्त अधिनियम की निम्नलिखित मुख्य-मुख्य धाराओं/व्यवस्थाओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करने का निदेश हुआ है:-

(1) इस अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (ग) में लोक सेवाओं और पदों को विस्तार से परिभाषित किया गया है, जिनमें इस अधिनियम के अनुसार आरक्षण लागू होगा। उक्त खण्ड (ग) के अनुसार यह आरक्षण राज्य के कार्यकलाप से सम्बन्धित सभस्त सेवाओं और पदों, सभस्त स्थानीय प्राधिकारी (लोकल आथॉरिटीज) की सभी सेवाओं और पदों, उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम, 1965 की धारा 2 के खण्ड (घ) में यथा परिभाषित ऐसी सभस्त सहकारी समितियों, जिसमें राज्य सरकार द्वारा धृत अंश समिति के अंश पूंजी के 51% से कम न हो, की सभी सेवाओं/पदों, सभी बोर्डों, नियमों, कानूनी निकायों जो राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन हो और ऐसी सभी सरकारी कम्पनियों जिसमें सरकार द्वारा धृत समादत्त शेयर पूंजी 51% से कम न हो से सम्बन्धित सभी सेवाओं और पदों, अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा स्थापित और प्रशासित संस्थाओं को छोड़कर राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन और नियंत्रणाधीन सभी शिक्षण संस्थाओं या जो सरकार से अनुदान प्राप्त करती हैं, जिसके अन्तर्गत किसी उत्तर प्रदेश अधिनियम द्वारा या उसके अधीन स्थापित सभस्त विश्वविद्यालय भी शामिल हैं, की सभी सेवाओं और पदों तथा ऐसी सभस्त सेवाओं और पदों, जिनमें इस अध्यादेश के प्रारम्भ के दिनांक (अर्थात् 11 दिसम्बर, 1993) को सरकार के आदेशों द्वारा आरक्षण लागू था, पर उक्त आरक्षण अधिनियम, 1994 के प्रावधान लागू होंगे।

(2) उपरोक्त सभस्त सेवाओं और पदों में अनुसूचित जातियों के पक्ष में 21% अनुसूचित जनजातियों के पक्ष में 2% और मांगरिक्तों के अन्य पिछड़े वर्गों के संबंधित व्यक्तियों के पक्ष में 27% आरक्षण तीसरी भर्ती के प्रथम पर सरकार द्वारा जारी ऐस्टर के अनुसार लागू होगा।

(3) यदि किसी श्रेणी के लिए आरक्षित कोई रिक्ति बिना भरे रह जायेगी तो उस श्रेणी से सम्बन्धित व्यक्तियों में से ऐसी रिक्ति को भरने के लिए विशेष भर्ती, तीन से अधिक उतनी बार की जायेगी, जितनी बार आवश्यक हो। और ऐसी तीसरी भर्ती में भी अनुसूचित जनजातियों के उपयुक्त अभ्यर्थी, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने हेतु, उपलब्ध न हो तो ऐसी रिक्ति अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित व्यक्तियों द्वारा भरी जायेगी।

(4) यदि आरक्षित श्रेणी से सम्बन्धित कोई व्यक्ति योग्यता के आधार पर सुली प्रतियोगिता में सामान्य अभ्यर्थियों के साथ चयनित होता है तो उसे आरक्षित रिक्तियों के प्रति समायोजित नहीं किया जायेगा अर्थात् उसे अनारक्षित रिक्तियों के प्रति समायोजित माना जायेगा, भले ही उसने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को अनुमत्य किसी सुविधा या छूट (यथा आयु सीमा में छूट आदि) का उपयोग किया हो।

(5) इस अधिनियम के प्रयोजनों का, यथास्थिति जानबूझ कर उल्लंघन करने, या उन्हें विफल करने के आशय से कोई कार्य किये जाने पर, सम्बन्धित अधिकारी, जिसे इस अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित आदेश द्वारा सीपा जायेगा, दोष सिद्ध होने पर, अधिकतम तीन मात के कारावास या एक हजार रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डनीय होगा।

(4)म-24
प्राचार्य

(6) इस अधिनियम के प्रारम्भ के दिनांक (11 दिसम्बर, 1993) को पदोन्नति के मामलों में आरक्षण से सम्बन्धित सरकार के जो आदेश लागू थे, वह यथावत लागू होंगे।

2—आपसे यह अनुरोध करने का मुझे निदेश हुआ है कि संलग्न अधिनियम, 1994 के समस्त प्रावधानों का सभी स्तरों पर, उन सभी लोक सेवाओं व पदों के सम्बन्ध में कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, जिनका उल्लेख इस शासनादेश के प्रस्तर-1 के खण्ड (1) में किया गया है। यह भी अनुरोध है कि उपरोक्त अधिनियम के प्रावधानों से अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों/प्राधिकारियों को भी आप कृपया अवगत करा दें ताकि इन प्रावधानों का सभी संगत मामलों में कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

भवदीय,
आर० वी० भास्कर,
सचिव।

संख्या 1/194-आ-1994 (1), सद्दिनांक

उपरोक्त की प्रतिलिपि, संदर्भगत अधिनियम, 1994 की प्रति सहित निम्नलिखित अधिकारियों/प्राधिकारियों को अनुपालनाथ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु इस अभ्युक्ति के साथ प्रेषित कि वे उक्त अधिनियम के प्रावधानों से कृपया अपने समस्त सम्बन्धित अधीनस्थों को भी अवगत करने का कष्ट करें:-

- (1) प्रमुख सचिव, महामहिम श्री राज्यपाल जी, उत्तर प्रदेश।
- (2) सचिव, सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को सभी सम्बन्धित बोर्डों, निगमों, निकायों आदि में उपरोक्त अधिनियम को लागू कराने के अनुरोध सहित।
- (3) प्रमुख सचिव, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को समस्त राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन और नियंत्रणाधीन तथा सरकार के अनुदान प्राप्त शैक्षिक संस्थाओं (अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा स्थापित व प्रशासित शैक्षिक संस्थाओं को छोड़कर) जिनमें किसी उत्तर प्रदेश अधिनियम द्वारा या उसके अधीन स्थापित समस्त विश्वविद्यालय भी सम्मिलित हैं, की सेवाओं और पदों में उपरोक्त अधिनियम के प्रावधानों को लागू कराने के अनुरोध सहित।
- (4) सचिव, सहकारिता विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, को समस्त संबंधित सहकारी समितियाँ आदि में उक्त अधिनियम के प्रावधानों को लागू कराये जाने के अनुरोध सहित।
- (5) प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग/सचिव, आवास विभाग/सचिव, पंचायती राज विभाग को उनके अधीनस्थ सभी सम्बन्धित संस्थाओं आदि में उपरोक्त अधिनियम के प्रावधान लागू कराने के अनुरोध सहित।
- (6) राज्य के समस्त उपक्रमाँ/निगमों के अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक/कार्यकारी अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- (7) प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों (केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को छोड़कर) के निबन्धक।
- (8) निबन्धक, उत्तर प्रदेश सहकारी समितियाँ, लखनऊ।
- (9) समस्त विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/सचिव, उत्तर प्रदेश।
- (10) समस्त महाप्रबन्धक, जल संस्थान, उत्तर प्रदेश।
- (11) निदेशक, स्थानीय निकाय, उत्तर प्रदेश।
- (12) निदेशक, उच्च शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा/बेसिक शिक्षा/प्रीट शिक्षा, लखनऊ।
- (13) समस्त अध्यक्ष, जिला परिषद्/नगर महापालिका/नगर पालिका/टाउन एरिया, उत्तर प्रदेश।
- (14) निबन्धक, हाई कोर्ट, इलाहाबाद/लखनऊ बेंच, लखनऊ।
- (15) निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश।
- (16) सचिव, विधान सभा/विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश।
- (17) सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- (18) सचिव, अधीनस्थ सेवा घयन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
- (19) निदेशक, उत्तर प्रदेश, प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल।
- (20) सचिवालय के समस्त अनुभाग।
- (21) समस्त निजी सचिव, मा० मंत्रीगण, उत्तर प्रदेश शासन।


प्राचार्य

शगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महरा-ललितपुर

आज्ञा से,
आर० वी० भास्कर,
सचिव।

उत्तर प्रदेश सरकार
विधायी अनुभाग—1

संख्या 488/सत्रह-वि-1-1 (क) 6-1994
लखनऊ, 23 मार्च, 1994

अधिसूचना
विविध

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 200 के अधीन राज्यपाल महोदय ने उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) विधेयक, 1994 पर दिनांक 22 मार्च, 1994 की अनुमति प्रदान की और वह उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 4 सन् 1994 के रूप में सर्वसाधारण की सूचनाय इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1994

[उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 4 सन् 1994]

(जैसा उत्तर प्रदेश विधान मण्डल द्वारा पारित हुआ)

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित व्यक्तियों के पक्ष में लोक सेवाओं और पदों पर आरक्षण की, और उससे संबंधित या आनुवंशिक विधियों की व्यवस्था करने के लिए

अधिनियम

भारत गणराज्य के पैंतालिसवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है :-

1—(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1994 कहा जायगा।

(2) यह 11 दिसम्बर, 1993 को प्रवृत्त हुआ समझा जायगा।

2—इस अधिनियम में,—

(क) लोक सेवाओं और पदों के सम्बन्ध में “नियुक्ति प्राधिकारी” का तात्पर्य ऐसी सेवाओं और पदों पर नियुक्ति करने के लिए सशक्त प्राधिकारी से है;

(ख) “नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों” का तात्पर्य अनुसूची-एक में विनिर्दिष्ट नागरिकों के पिछड़े वर्गों से है;

(ग) “लोक सेवाओं और पदों” का तात्पर्य राज्य के कार्यकलाप से संबंधित सेवाओं और पदों से है और इसके अन्तर्गत निम्नलिखित की सेवाएँ और पद भी हैं :-

(एक) स्थानीय प्राधिकारी;

(दो) उत्तर प्रदेश सहकारी समिति, अधिनियम, 1965 की धारा 2 के खण्ड (च) में यथा परिभाषित सहकारी समिति, जिसमें राज्य सरकार द्वारा धृत अंश-समिति की अंश पूंजी के इक्यावन प्रतिशत से कम न हो;

(तीन) किसी केन्द्रीय या उत्तर प्रदेश अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन स्थापित कोई बोर्ड या कोई निगम या कोई कानूनी निकाय जो राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन हो या कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 में यथा परिभाषित कोई सरकारी कंपनी, जिसमें राज्य सरकार द्वारा धृत समादत्त शेयर पूंजी इक्यावन प्रतिशत से कम न हो;

(23) 4
प्राचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महरा-ललितपुर

(चार) संविधान के अनुच्छेद 30 के खण्ड (1) में निर्दिष्ट अल्प संख्यक वर्ग द्वारा स्थापित और प्रशासित किसी संस्था के सिवाय राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन और नियंत्रणाधीन कोई शिक्षण संस्था या जो राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त करता हो, जिसके अन्तर्गत किसी उत्तर प्रदेश अधिनियम के द्वारा या अधीन स्थापित कोई विश्वविद्यालय भी है;

(पांच) जिसके सम्बन्ध में इस अधिनियम के प्रारम्भ के दिनांक को सरकार के आदेशों द्वारा, आरक्षण लागू या और जो उपखण्ड (एक) से (चार) के अधीन अच्चादित नहीं है;

(ष) किसी रिक्ति के सम्बन्ध में "भर्ती का वर्ष" का तात्पर्य किसी वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि, जिसके भीतर ऐसी रिक्ति के प्रति सीधी भर्ती की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाय, से है।

अनुसूचित जातियों,
अनुसूचित जनजातियों
और अन्य पिछड़े वर्गों
के पक्ष में आरक्षण

3—(1) लोक सेवाओं और पदों में, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित व्यक्तियों के पक्ष में, सीधी भर्ती के प्रक्रम पर, उपधारा (5) में निर्दिष्ट रोस्टर के अनुसार रिक्तियाँ का, जिन पर भर्ती की जानी है, निम्नलिखित प्रतिशत आरक्षित किया जायेगा :-

(क) अनुसूचित जातियों के मामले में ... इक्कीस प्रतिशत

(ख) अनुसूचित जनजातियों के मामले में ... दो प्रतिशत

(ग) नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों के मामले में ... सत्ताइस प्रतिशत

परन्तु खण्ड (ग) के अधीन आरक्षण अनुसूची-दो में विनिर्दिष्ट नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों की श्रेणी पर लागू नहीं होगा।

(2) यदि, भर्ती के किसी वर्ष के सम्बन्ध में उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों की किसी श्रेणी के लिए आरक्षित कोई रिक्ति बिना भरे रह जाय तो उस श्रेणी से सम्बन्धित व्यक्तियों में से ऐसी रिक्ति को भरने के लिये विशेष भर्ती, तीन से अधिक, उतनी बार की जायेगी जैसी आवश्यक समझी जाय।

(3) यदि उपधारा (2) में निर्दिष्ट तीसरी/ ऐसी भर्ती में अनुसूचित जनजातियों के उपयुक्त अभ्यर्थी उनके लिए आरक्षित रिक्ति को भरने के लिए उपलब्ध न हो तो ऐसी रिक्ति अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित व्यक्तियों द्वारा भरी जायेगी।

(4) जहाँ उपधारा (1) के अधीन आरक्षित रिक्तियों में से कोई रिक्ति उपयुक्त अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता के कारण उपधारा (2) में निर्दिष्ट विशेष भर्ती के पश्चात् भी बिना भरी रह जाती है तो उसे पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाले अगले वर्ष में जिसमें भर्ती की जानी है, इस शर्त के अधीन अग्रणीत किया जा सकेगा कि उपधारा (1) में उल्लिखित व्यक्तियों की सभी श्रेणियों के लिए रिक्तियों का कुल आरक्षण उस वर्ष में कुल रिक्तियों के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(5) राज्य सरकार, उपधारा (1) के अधीन आरक्षण को लागू करने के लिए अधिसूचित आदेश द्वारा, एक रोस्टर जारी करेगी जो अनवरत रूप से लागू रहेगा, जब तक वह समाप्त न हो जाय।

(6) यदि उपधारा (1) में उल्लिखित किसी श्रेणी से सम्बन्धित कोई व्यक्ति योग्यता के आधार पर खुली प्रतिस्पर्धा में सामान्य अभ्यर्थियों के साथ चयनित होता है तो उसे उपधारा (1) के अधीन ऐसी श्रेणी के लिए आरक्षित रिक्तियों के प्रति सम्पोजित नहीं किया जायेगा।

(7) यदि इस अधिनियम के प्रारम्भ के दिनांक को पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पदों पर नियुक्ति के लिए सरकार के आदेशों के अधीन आरक्षण लागू हो तो ऐसे सरकारी आदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक उन्हें उपान्तरित या विखण्डित न कर दिया जाय।

अधिनियम के
अनुपालन के लिए
उत्तरदायित्व और
अभित

4—(1) राज्य सरकार, इस अधिनियम के उपबन्धों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए किसी नियुक्ति प्राधिकारी या किसी अधिकारी या कर्मचारी को, अधिसूचित आदेश द्वारा, उत्तरदायित्व सौंप सकती है।

प्राचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महर्षा-ललितपुर

(2) राज्य सरकार, इसी रीति से, उपधारा (1) में निर्दिष्ट नियुक्ति प्राधिकारी या अधिकारी या कर्मचारी में ऐसी शक्तियां या प्राधिकार विनिहित कर सकती है जो उपधारा (1) के अधीन उसे सौंपे गये उत्तरदायित्व के प्रभावी निर्वहन के लिए आवश्यक हों।

5—(1) कोई नियुक्ति प्राधिकारी या अधिकारी या कर्मचारी जिसे धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन उत्तरदायित्व सौंपा गया है, इस अधिनियम के प्रयोजनों का, यथास्थिति जानबूझकर उल्लंघन करने या उन्हें विफल करने के आशय से कोई कार्य करता है तो वह दोषसिद्ध होने पर, ऐसी अवधि के कारावास से जो तीन मास तक हो सकेगी, या जुर्माने से जो एक हजार रुपये तक हो सकेगा, या दोनों से दण्डनीय होगा।

(2) कोई भी न्यायालय इस धारा के अधीन किसी अपराध का संज्ञान राज्य सरकार की या राज्य सरकार द्वारा किसी आदेश से इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी की, पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं करेगा।

(3) उपधारा (1) के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का विचारण, किसी महानगर मजिस्ट्रेट या प्रथम श्रेणी के किसी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा, संक्षेपत किया जायेगा और दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 262 की उपधारा (1), धारा 263, धारा 264 और धारा 265 के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित, लागू होंगे।

6—यदि राज्य सरकार की जानकारी में यह बात आती है कि धारा 3 की उपधारा (1) में उल्लिखित किन्हीं भी श्रेणियों का कोई व्यक्ति नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस अधिनियम के उपबन्धों या इसके अधीन बनाये गये नियमों या इस निमित्त सरकार के आदेशों के अननुपालन के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है तो वह ऐसे अभिलेखों को मांग सकती है और ऐसी कार्यवाही कर सकती है जो यह आवश्यक समझे।

अभिलेख मांगने की शक्ति

7—राज्य सरकार, आदेश द्वारा, घन सभिति में, ऐसी सीमा तक और ऐसी रीति से जैसी आवश्यक समझे जाय और जहां ऐसी सभिति किसी सेवा नियमों के अधीन या अन्यथा चर्चित की जाय, अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व देने के लिए अधिकारियों के नाम-निर्देशन की व्यवस्था कर सकती है।

घन सभिति में प्रतिनिधित्व

8—(1) राज्य सरकार, धारा 3 की उपधारा (1) में उल्लिखित व्यक्तियों की श्रेणियों के पक्ष में, आदेश द्वारा, किसी प्रतियोगिता परीक्षा या साक्षात्कार के लिए फीस के सम्बन्ध में ऐसी छूट और उच्चतर आयु सीमा के सम्बन्ध में शिथिलीकरण कर सकती है, जैसी यह आवश्यक समझे।

छूट और शिथिलीकरण

(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट व्यक्तियों की श्रेणियों के पक्ष में सीधी भर्ती और पदोन्नति में आरक्षण के सम्बन्ध में अन्य छूटों और शिथिलीकरणों जिसके अन्तर्गत प्रतियोगिता परीक्षा या साक्षात्कार के लिए फीस में छूट और उच्चतर आयु सीमा में शिथिलीकरण भी सम्मिलित है, के सम्बन्ध में इस अधिनियम के प्रारम्भ के दिनांक को प्रवृत्त सरकार के आदेश, जो इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हों, लागू रहने जब तक कि उन्हें यथास्थिति, उपांतरित या विखण्डित न कर दिया जाय।

9—इस अधिनियम के अधीन उपबन्धित आरक्षण के प्रयोजनों के लिए जाति प्रमाण-पत्र, ऐसे प्राधिकारी या अधिकारी द्वारा और ऐसी रीति से और ऐसे प्रारूप में जैसा राज्य सरकार आदेश द्वारा उपबन्ध करे, जारी किया जायेगा।

जाति प्रमाण-पत्र

10—यदि इस अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न हो तो राज्य सरकार, अधिसूचित आदेश द्वारा, ऐसी व्यवस्था कर सकेगी जो इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो और जो कठिनाइयों को दूर करने के लिए उसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हो।

कठिनाइयों को दूर करना

11—इस अधिनियम या उसके अधीन बनाये गये नियमों के अनुसरण में सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए आशयित किसी बात के लिए राज्य सरकार या किसी व्यक्ति के विरुद्ध कोई बाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाही नहीं की जायेगी।

सद्भावपूर्वक की गई कार्यवाही का संरक्षण

12—राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए, अधिसूचना द्वारा, नियम बना सकती है।

नियम बनाने की शक्ति

13—राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, अनुसूचियों को संशोधित कर सकेगी और गजट में ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन पर अनुसूचियों का सद्नुसार संशोधित समझा जायेगा।

अनुसूचियों को संशोधित करने की शक्ति

प्राचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महारा-ललितापुर

आदेशों इत्यादि का
रखा जाना

14—धारा 3 की उपधारा (5); धारा 4 की उपधारा (1) और (2) और धारा 10 के अधीन दिये गये प्रत्येक आदेश और धारा 13 के अधीन जारी प्रत्येक अधिसूचना को यथाशीघ्र राज्य विधान मण्डल के दोनों सदनों के समक्ष रखा जायगा और उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 की धारा 23-क की उपधारा (1) के उपबन्ध उसी प्रकार प्रवृत्त होंगे जैसे कि वे किसी उत्तर प्रदेश अधिनियम के अधीन राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के सम्बन्ध में प्रवृत्त होते हैं।

अपवाद

15—(1) इस अधिनियम के उपबन्ध ऐसे मामलों पर प्रवृत्त नहीं होंगे जिनमें चयन प्रक्रिया इस अधिनियम के प्रारम्भ के पूर्व प्रारम्भ हो चुकी हो और ऐसे मामले विधि के उपबन्धों के और सरकार के आदेशों के अनुसार, जैसे कि वे ऐसे प्रारम्भ के पूर्व थे, व्यवहृत किये जायेंगे।

स्पष्टीकरण :-जहां सुसंगत सेवा नियमों के अधीन की जाने वाली भर्ती का आधार-

(एक) केवल लिखित परीक्षा या साक्षात्कार हों, वहां, यथास्थिति, लिखित परीक्षा या साक्षात्कार प्रारम्भ हो जाने पर;

(दो) लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दोनों हों, वहां लिखित परीक्षा प्रारम्भ हो जाने पर;

इस उपधारा के प्रयोजनों के लिए, चयन प्रक्रिया प्रारम्भ हुई समझी जायेगी।

(2) इस अधिनियम के उपबन्ध उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली, 1974 के अधीन की जाने वाली नियुक्ति पर लागू नहीं होंगे।

निरसन और अपवाद

16—(1) उत्तर प्रदेश लोक सेवा (पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1989, उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993 और उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अध्यादेश, 1994 एतद्वारा निरसित किये जाते हैं।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उपधारा (1) में निर्दिष्ट अधिनियमों और अध्यादेश के उपबन्धों के अधीन कृत कोई कार्य या कार्यवाही इस अधिनियम के तत्समान उपबन्धों के अधीन कृत कार्य या कार्यवाही समझी जायगी मानों इस अधिनियम के उपबन्ध सभी सारवान समय पर प्रवृत्त थे।

उत्तर प्रदेश
अधिनियम संख्या
21 सन् 1989
उत्तर प्रदेश
अधिनियम संख्या 3
सन् 1993
उत्तर प्रदेश अध्यादेश
संख्या 5 सन् 1994

अनुसूची—एक

[देखिए धारा 2 (ख)]

1—अहीर

2—अरब

3—काछी

4—कहार

5—कैवट या मल्लाह

6—किसान

7—कोइरी

8—कुम्हार

9—कुर्मी

10—कान्बोज

11—करगार

12—कुंजड़ा या राईत

13—गोसाई

14—गूजर

15—गड़ेरिया

16—गद्दी

17—गिरि

18—चिकवा (कसाब)

19—छापी

20—जोगी

प्राचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
भारत-लखितपुर

- | | |
|---|---|
| 21—झोका | 39—भटियारा |
| 22—डफाली | 40—माली, सैनी |
| 23—तमोली | 41—मनिहोर |
| 24—तेली | 42—मुराव या मुराई |
| 25—दर्जी | 43—मोमिन (अंतर) |
| 26—धीवर | 44—मिरासी |
| 27—नककाल | 45—मुस्लिम कायस्थ |
| 28—नट (जो अनुसूचित जातियों की श्रेणी में सम्मिलित न हो) | 46—नरदाफ़ (धुनिया), मन्गूरी |
| 29—नायक | 47—मारछा |
| 30—फकीर | 48—रंगरेज |
| 31—बंजारा | 49—लोघ, लोघा, लोघी, लोट, लोधी, रजपूत |
| 32—बढ़ई | 50—लोहार |
| 33—बारी | 51—लोनिया |
| 34—बैरागी | 52—सोनार |
| 35—बिन्द | 53—स्वीपर (जो अनुसूचित जातियों की श्रेणी में सम्मिलित न हो) |
| 36—वियार | 54—हलवाई |
| 37—भर | 55—हज्जाम (नाई) |
| 38—भुर्जी या भड़भुजा | |

अनुसूची-दो

(देखिये धारा 3(1))

1—निम्नलिखित की पुत्र या पुत्री :-

(क) सीधी भर्ती किया गया या किसी राज्य सेवा से पदोन्नत भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा; भारतीय-बन सेवा या अन्य केन्द्रीय सेवा का कोई सदस्य, या

(ख) उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (प्रशासनिक शाखा), उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा या किसी अन्य राज्य सेवा का कोई सदस्य, जो ऐसी सेवा में सीधी भर्ती से आया हो; या

(ग) भारत सरकार के किसी विभाग या मंत्रालय या ऐसे विभाग या मंत्रालय के अधीन शैक्षिक शोध या किसी अन्य संस्था के समूह "क"/श्रेणी-एक का ऐसा अधिकारी जो उप श्रेणी (क) में सम्मिलित नहीं है; या

(घ) राज्य सरकार के किसी विभाग या संस्था के समूह "क"/श्रेणी-एक का ऐसा अधिकारी जो उप श्रेणी (ख) में सम्मिलित नहीं है; या

(ङ) सशस्त्र सेना या अर्द्धसैनिक बल का कोई अधिकारी जो कर्नल या समकक्ष पंक्ति से निम्न पंक्ति का न हो:

परन्तु सेवा के ऐसे सदस्य या अधिकारी की वेतन से आय प्रतिमास दस हजार रुपये या अधिक हो, उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो और उसका या उसकी पत्नी का नगर क्षेत्र में अपना मकान हो।

2—चिकित्सक, शल्य चिकित्सक, अभियन्ता, वकील, वास्तुविद, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट की वृत्ति में लगे या सम्पर्क और सूचना व्यवसायी, प्रबन्ध और अन्य परामर्शी, फिल्म कलाकार और अन्य फिल्म व्यवसायी या शिक्षण संस्था या फोर्चिंग इन्स्टीट्यूट चलाने वाले या शेयर या स्टाक दलाल या मनोरंजन के व्यवसाय में लगे हुए किसी व्यक्ति का पुत्र या पुत्री :

परन्तु उसकी सभी स्रोतों से अनवरत तीन वित्तीय वर्षों की औसत आय दस लाख रुपये प्रति वर्ष से कम न हो, उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो और उसके परिवार के पास कम से कम बीस लाख रुपये की अचल सम्पत्ति हो।

प्राचार्य
भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महारा-ललितपुर

3—किसी व्यवसायी, जिसकी अनवरत तीन वर्षों की औसत आय दस लाख रुपये प्रति वर्ष से कम न हो, उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो और उसके परिवार के पास कम से कम बीस लाख रुपये की अचल सम्पत्ति हो, का पुत्र या पुत्री।

4—किसी उद्योगपति, जिसकी चालू इकाइयों में विनियोजन का स्तर दस करोड़ रुपये से अधिक हो और ऐसी इकाइयां वाणिज्यिक उत्पादन में कम से कम पांच वर्षों से लगी हों और उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो, का पुत्र या पुत्री।

5—किसी व्यक्ति, जिसके पास उत्तर प्रदेश अधिक्तम-जोत सीमा आरक्षण अधिनियम, 1960 के अधीन नियत सीमा के भीतर जोत हो, जिसकी कृषि से आय को छोड़कर बैंक, व्यवसाय-या-उद्योग आदि जैसे स्रोतों से किसी वित्तीय वर्ष में आय दस लाख रुपये हो और उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो, का पुत्र या पुत्री।

6—किसी व्यक्ति, जो उपरिलिखित श्रेणियों में सम्मिलित न हो, जिसकी सभी स्रोतों से अनवरत तीन वित्तीय वर्षों की औसत आय दस लाख रुपये प्रति वर्ष से कम न हो, उसकी पत्नी या उसका पति कम से कम स्नातक हो और उसके परिवार के पास कम से कम बीस लाख रुपये की अचल सम्पत्ति हो, का पुत्र या पुत्री।

आज्ञा से,
नरेन्द्र कुमार नारंग,
सचिव।

No. 488(2)/XVII-V-1-1(KA)6-1994

Dated. Lucknow. March 23, 1994

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Lok Seva (Anusuchit Jatiyon, Anusuchit Jatiyon Aur Aaya Pichhre Vargon Ke Liya Arakshan) Adhiniyam, 1994 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 4 of 1994) as passed by the Uttar Pradesh Legislative and assented to by the Governor on March 22, 1994.

THE UTTAR PRADESH PUBLIC SERVICES (RESERVATION FOR SCHEDULED CASTES, SCHEDULED TRIBES AND OTHER BACK-WARD CLASSES) ACT, 1994

(U. P. Act no. 4 of 1994)

(As passed by the U.P. Legislative Assembly)

AN

ACT

to provide for the reservation in public Services and posts in favour of the persons belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes of citizens and for matters connected therewith or incidental thereto.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-fifth Year of the Republic of India as follows :—

Short title and commencement

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Public Services (Reservation for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes) Act, 1994.
(2) It shall be deemed to have come into force on December 11, 1993.

Definitions

2. In this Act,—
(a) "appointing authority" in relation to public services and posts means the authority empowered to make appointment to such services or posts :

प्राचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महरा-ललितपुर

(b) "other backward classes of citizens" means the backward classes of citizens specified in Schedule I;

(c) "public services and posts" means the services and posts in connection with the affairs of the State and includes services and posts in—

(i) a local authority;

(ii) a co-operative society as defined in clause (f) of section 2 of the Uttar Pradesh Co-operative Societies Act, 1965 in which not less than fifty-one per cent of the share capital of the society is held by the State Government;

(iii) a Board or a Corporation or a statutory body established by or under a central or a Uttar Pradesh Act which is owned and controlled by the State Government, or a Government company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 in which not less than fifty-one per cent of the paid up share capital is held by the State Government;

(iv) an educational institution owned and controlled by the State Government or which receives grants in aid from the State Government, including a university established by or under a Uttar Pradesh Act, except an institution established and administered by minorities referred to in clause (1) of Article 30 of the Constitution;

(v) respect of which reservation was applicable by Government orders on the date of the commencement of this Act and which are not covered under sub-clauses (i) to (iv);

(d) "year of recruitment" in relation to a vacancy means a period of twelve months commencing on the first of July of a year within which the process of direct recruitment against such vacancy is initiated.

3. (1) In public services and posts, there shall be reserved at the stage of direct recruitment, the following percentages of vacancies to which recruitment are to be made in accordance with the roster referred to in sub-section (5) in favour of the persons belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other backward classes of citizens,—

(a) in the case of Scheduled Castes	twenty one per cent :
(b) in the case of Scheduled Tribes	two per cent :
(c) in the case of other backward classes of citizens	twenty seven per cent :

Reservation in favour of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes

Provided that the reservation under clause (c) shall not apply to the category of other backward classes of citizens specified in Schedule II.

(2) If, even in respect of any year of recruitment, any vacancy reserved for any category of persons under sub-section (1) remains unfilled, special recruitment shall be made for such number of times, not exceeding three, as may be considered necessary to fill such vacancy from amongst the persons belonging to that category.

(3) If, in the third such recruitment referred to in sub-section (2), suitable candidates belonging to the Scheduled Tribes are not available to fill the vacancy reserved for them, such vacancy shall be filled by persons belonging to the Scheduled Castes.

(4) Where, due to non-availability of suitable candidates any of the vacancies reserved under sub-section (1) remains unfilled even after special recruitment referred to in sub-section (2), it may be carried over to the next year commencing from first of July, in which recruitment is to be made, subject to the condition that in that year total reservation of vacancies for all categories of persons mentioned in sub-section (1) shall not exceed fifty per cent of the total vacancies.

सि.म.
प्राचार्य
ब्रह्मनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महरा-संततिपुर

(5) The State Government shall, for applying the reservation under sub-section (1) by a notified order, issue a roster which shall be continuously applied till it is exhausted.

(6) If a person belonging to any of the categories mentioned in sub-section (1) gets selected on the basis of merit in an open competition with general candidates, he shall not be adjusted against the vacancies reserved for such category under sub-section (1).

(7) If, on the date of commencement of this Act, reservation was in force under Government Orders for appointment to posts to be filled by promotion, such Government Orders shall continue to be applicable till they are modified or revoked.

Responsibility and powers for compliance of the Act

4. (1) The State Government may, by notified order, entrust the appointing authority or any officer or employee with the responsibility of ensuring the compliance of the provisions of this Act.

(2) The State Government may, in the like manner, invest the appointing authority or officer or employee referred to in sub-section (1) with such powers or authority as may be necessary for effectively discharging the responsibility entrusted to him under sub-section (1).

Penalty

5. (1) Any appointing authority or officer or employee entrusted with the responsibility under sub-section (1) of section 4 who wilfully acts in a manner intended to contravene or defeat the purpose of this Act shall, on conviction, be punishable with imprisonment which may extend to three months or with fine which may extend to one thousand rupees or with both.

(2) No court shall take cognizance of an offence under this section except with the previous sanction of the State Government or an officer authorized in this behalf by the State Government by an order.

(3) An offence punishable under sub-section (1) shall be tried summarily by a Metropolitan Magistrate or a Judicial Magistrate of the first class and the provisions of sub-section (1) of section 262, section 263, section 264 and section 265 of the code of criminal procedure, 1973 shall *mutatis mutandis* apply.

Power to call for record

6. If it comes to the notice of the State Government, that any person belonging to any of the categories mentioned in sub-section (1) of section 3 has been adversely affected on account of non-compliance of the provisions of this Act or the rules made thereunder or the Government orders in this behalf by the appointing authority, it may call for such records and take such action as it may consider necessary.

Representation in Selection Committee

7. The State Government may, by order, provide for nomination of officers for giving representation to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and other backward classes of citizens in the Selection Committee to such extent and in such manner as it may consider necessary where such Committee is constituted either under the service rules or otherwise.

Concession and relaxation

8. The State Government may, in favour of the categories of persons mentioned in sub-section (1) of section 3, by order, grant such concessions in respect of fees for any competitive examination or interview and relaxation in upper age limit, as it may consider necessary.

(2) The Government orders in force on the date of the commencement of this Act, in respect of concessions and relaxations, including concession in fees for any competitive examination or interview and relaxation in upper age limit and those relating to reservation in direct recruitment and promotion, in favour of categories of persons referred to in sub-section (1) which are not in consistent with the provisions of this Act, shall continue to be applicable till they are modified or revoked, as the case may be.

प्रचार्य

भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महारा-ललितपुर

9. For the purpose of reservation provided under this Act, caste certificate shall be issued, by such authority or officer and in such manner and form as the State Government may, by order, provide.

Caste certificate

10. If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by a notified order, make such provisions not inconsistent with the provisions of this Act as appears to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Removal of difficulties

11. No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against the State Government or any person for anything which is in good faith done or intended to be done, in pursuance of this Act or the rules made thereunder.

Protection of action taken in good faith

12. The State Government may, by notification, make rules for carrying out the purposes of this Act.

Power to make rules

13. The State Government may, by notification amend the Schedules and upon the publication of such notification in the Gazette, the Schedules shall be deemed to be amended accordingly.

Power to amend the Schedules

14. Every order made under sub-section (5) of section 3, sub-section (1) and (2) of section 4 and section 10 and every notification issued under section 13 shall be laid, as soon as may be, before both the Houses of State Legislative and the provisions of sub-section (1) of section 23-A of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 shall apply as they apply in respect of rules made by the State Government under any Uttar Pradesh Act.

Laying of Order etc.

15. (1) The provisions of this Act shall not apply to cases in which selection process has been initiated before the commencement of this Act and such cases shall be dealt with in accordance with the provisions of law and Government orders as they stood before such commencement.

Savings

Explanation : For the purposes of this sub-section the selection process shall be deemed to have been initiated where, under the relevant service rules, recruitment is to be made on the basis of—

(i) written test or interview only, the written test of the interview, as the case may be, has started, or

(ii) both written test and interview, the written test has started.

(2) The provisions of this Act shall not apply to the appointment, to be made under the Uttar Pradesh Recruitment of Dependent of Government Servant Dying in Harness Rules, 1974.

U.P. Act no. 21
of 1989 U.P. Act
no. 3 of 1993

16. (1) The Uttar Pradesh Public Services (Reservation for Backward Classes) Act, 1989, The Uttar Pradesh Public Services (Reservation for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) Act, 1993 and the Uttar Pradesh Public Services (Reservation for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Classes) Ordinance, 1994 are hereby repealed.

Repeal and savings

U.P. Ordinance
no. 5 of 1994

(2) Notwithstanding Such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the Acts and the ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.


प्राचार्य

समान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महारा-लालितपुर

SCHEDULE—1.
(See SECTION 2 (6))

- | | |
|--|---|
| 1. Ahir | 30. Faqir |
| 2. Arakh | 31. Banjara |
| 3. Kachchi | 32. Barchai |
| 4. Kahar | 33. Bari |
| 5. Kewat or Mallah | 34. Beragi |
| 6. Kisan | 35. Bind |
| 7. Koeri | 36. Biyar |
| 8. Kumhar | 37. Bhar |
| 9. Kurmi | 38. Bhurji or Bharbhunja |
| 10. Kumbhoj | 39. Bhalhara |
| 11. Kasgar | 40. Mali, Saini |
| 12. Kunja or Raccu | 41. Manihar |
| 13. Gosnin | 42. Munro or Mural |
| 14. Gujar | 43. Momin (Ansar) |
| 15. Gadariya | 44. Mirasi |
| 16. Gaddi | 45. Muslim Kayastha |
| 17. Giri | 46. Naddaf (Dhaniya),
Mansoori |
| 18. Chikwa (Qassab) | 47. Marchcha |
| 19. Chhippi | 48. Rangrez |
| 20. Jogi | 49. Lodha, Lodha, Lodhi, Lot,
Lodhi, Rajput. |
| 21. Dhasali | 50. Lohar |
| 22. Jhoja | 51. Lonia |
| 23. Tamoli | 52. Sonar |
| 24. Teli | 53. Sweeper (Those not
included in Scheduled
Castes category) |
| 25. Darzi | 54. Halwai. |
| 26. Dhiver | 55. Hajjam (Nai) |
| 27. Naqqal | |
| 28. Nai (Those not included in
Scheduled Castes category) | |
| 29. Naik | |


प्राचार्य

भगवान अर्जुनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महारा-ललितपुर

SCHEDULED—II

[See SECTION 3 (b)]

1. Son or daughter of—

(a) a member of Indian Administrative Service, Indian Foreign Service, Indian Police Service, Indian Forest Service or other Central Service whether directly recruited or promoted from any State Service; or

(b) a member of Uttar Pradesh Civil Service (Executive Branch), Uttar Pradesh Police Service or other State Service, who has been directly recruited to such Service; or

(c) such Group A/Class I officer of any Department or Ministry of Government of India or educational, research or other institutions under such Department or Ministry, who is not included in sub-category (a); or

(d) such Group A/Class I officer of any Department or institution of the State Government, who is not included in sub-category (b); or

(e) an officer of the defence forces or para military forces who is not below the rank of a Colonel or equivalent rank;

Provided that the income from salary of such member or officer of service is Rupees ten thousand or more per mensem, his spouse is at least a graduate and he or his spouse owns a house in an urban area.

2. Son or daughter of a person engaged in profession as a Doctor, Surgeon, Engineers, Lawyer, Architect, Chartered Accountant, media and information professional, management and other consultant, film artist and other film professional, running educational institution or coaching institute or engaged in the business as share or stock broker or in entertainment business;

Provided that his average income from all sources for three consecutive financial years is not less than rupees ten lakh per annum, his spouse is at least a graduate and his family owns immovable property worth at least rupees twenty lakh.

3. Son or daughter of a business man whose average income for three consecutive financial years is not less than rupees ten lakh per annum, his spouse is at least a graduate and his family owns immovable property worth at least rupees twenty lakh.

4. Son or daughter of an industrialist whose level of investment in running units is over rupees ten crore and such units are engaged in commercial production for at least five years and his spouse is at least a graduate.

5. Son or daughter of a person who has holding within the limit fixed under the Uttar Pradesh Imposition of Ceiling on Land Holdings Act, 1960, has an income of rupees ten lakh in a financial year from sources other than agriculture such as salary, business or industry and the like and his spouse is at least a graduate.

6. Son or daughter of a person, not included in any of the aforementioned categories, whose average income from all sources for three consecutive financial years is not less than rupees ten lakh per annum, his spouse is at least a graduate and his family owns immovable property worth at least rupees twenty lakh.

प्रचार्य
श्रीमान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन
महर्षि-सतितपुर

By order,
N.K. NARANG,
Sachiv.